दर्शनशास्त्र विभाग

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय
हरिद्वार

एक परिचय

यह विश्वविद्यालय के प्राच्य विद्या संकाय के अन्तर्गत संचालित महत्त्वपूर्ण विभाग है। विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ–साथ यह विभाग मूल रूप में अस्तित्व में आ चुका था। गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना के समय दर्शनशास्त्र को एक प्रमुख विषय में रूप में स्वीकार किया गया। गुरुकुल के उपाचार्य श्री रामदेव जी बी०ए०, जो बाद में शिक्षा जगत में आचार्य रामदेव के नाम से विख्यात हुए, वे स्वयं पाश्चात्य दर्शन के प्राध्यापक थे और पं० योगेन्द्रनाथ दर्शनाचार्य भारतीय दर्शन के प्राध्यापक थे। गुरुकुल कांगड़ी को केन्द्र सरकार द्वारा डीम्ड विश्वविद्यालय का विशिष्ट स्तर प्राप्त होने तक दर्शनशास्त्र यहाँ के पाठ्यक्रम में एक महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में प्रचलित रहा। वेदालंकार के अन्तर्गत दर्शन को अनिवार्य विषय के रूप में और विद्यालंकर के अन्तर्गत ऐच्छिक विषय के रूप में यहाँ पढ़ाया जाता रहा।

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत विभाग के रूप में दर्शनशास्त्र का प्रारम्भ 1964 में हो गया था। किन्तु अध्ययन–अध्यापन की विभागीय व्यवस्था सन् 1966 में प्रारम्भ हो सकी। विभाग के संस्थापक स्व० आचार्य पं० सुखदेव थे। जो दर्शन विभाग के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। इसी क्रम में डॉ० अभेदानन्द (1971–77), डॉ० जयदेव वेदालंकार, डॉ० विजयपाल शास्त्री, डॉ० त्रिलोक चन्द, डॉ० यू०एस० बिष्ट समय–समय पर विभागाध्यक्ष रहे। वर्तमान में प्रो० सोहनपाल सिंह आर्य, विभागाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। डॉ० बबीता शर्मा, असि० प्रो०, कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार में कार्यरत है। विभाग में तीन अतिथि व्याख्याता और एक शोधछात्र भी अध्यापन कार्य (दि0 20–11–14 तक) में संलग्न है। दर्शनशास्त्र विभाग, गुरुकुलीय आदर्शो एवं आधुनिक दिशा–बोध में सामंजस्य के आधार पर प्रगतिपथ पर निरन्तर अग्रसर है।

डॉ0 सोहनपाल सिंह आर्य,
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

–:निवर्तमान विभागाध्यक्षः–

डॉ. जयदेव वेदालंकार

डॉ. त्रिलोक चन्द

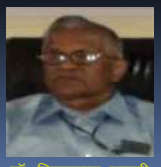

डॉ. विजयपाल शास्त्री

डॉ. यू.एस. बिष्ट

विभाग की स्थिति

दर्शनशास्त्र विभाग प्राच्य एवं मानविकी संकाय परिसर के अन्तर्गत संचालित हो रहा है। वर्तमान में अध्यापन एवं अनुसंधान हेतु विभाग के पास चार कक्ष एवं कवर्ड बरामदा उपलब्ध है। विभाग के पास लगभग 900 पुस्तकों से युक्त विभागीय पुस्तकालय है। कम्प्यूटर एवं लैपटॉप आदि की सुविधा भी विभाग में उपलब्ध है।

विभाग में प्राध्यापकों की स्थिति

अध्यापक का नाम	पद	योग्यता
डॉ. सोहनपाल सिंह आर्य	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष	एम.ए. दर्शनशास्त्र, नेट जे.आर.एफ., पी–एच.डी.
डॉ. बबलू वेदालंकार	आमंत्रित व्याख्याता	एम.ए. दर्शनशास्त्र, नेट, पी–एच.डी., पी.जी. डिप्लोमा योग
डॉ. गुलाब सिंह	आमंत्रित व्याख्याता	एम.ए. दर्शनशास्त्र, नेट, पी–एच.डी.
डॉ. विपिन बालियान	आमंत्रित व्याख्याता	एम.ए. संस्कृत एवं दर्शनशास्त्र, पी–एच. डी, बी.एड्., पी.जी. डिप्लोमा योग
संदीप कुमार	शोधछात्र	एम.ए. दर्शनशास्त्र,

विभागीय सम्पर्क सूत्र–09897273663, email- sparya@gkv.ac.in

पाठ्यक्रम *

इस विभाग के अन्तर्गत निम्न पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं–

1. **स्नातकोत्तर–** एम०ए० दर्शन का पाठ्यक्रम चार सेमेस्टरों के अन्तर्गत सोलह विषयों (कोर्स) में नियमतः पूर्ण होता है। जिसमें मुख्यतः छात्रों को ज्ञान मीमांसा, तत्त्व मीमांसा और नीतिशास्त्र का अध्यापन भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन परम्पराओं के अन्तर्गत कराया जाता हैं। इनके साथ–साथ सांख्य–योग, वेदान्त, धर्म दर्शन, भारतीय भाषा–दर्शन आदि के अतिरिक्त स्वामी दयानन्द के दार्शनिक सिद्धान्तों का भी विशेष ज्ञान कराया जाता है। ताकि छात्रों को दर्शन की भारतीय और पाश्चात्य परम्परा के साथ–साथ वेदोक्त आर्ष चिन्तन परम्परा का भी यथावत् ज्ञान हो सकें।

2. **प्री० पी–एच०डी० पाठ्यक्रम–** यू०जी०सी० रेगुलेशन 2009 के दिशा–निर्देशों के अनुरूप यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिसमें एक सेमेस्टर के अन्तर्गत शोध–प्रविधि से सम्बन्धित दो विषयों (कोर्स) का अध्यापन कराया जाता है।

3. **पी–एच०डी० उपाधि–** विभाग में पी–एच०डी० उपाधि के लिए नियमित अनुसंधान कार्य की सुविधा उपलब्ध है। पी–एच०डी० में प्रवेश के लिए प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय के नियमानुसार रिक्त सीटों के लिये शोध छात्रों/छात्राओं का चयन होता है। पी–एच०डी० उपाधि 02 से 05 वर्ष के अन्तर्गत पूर्ण होती है।

4.स्नातक– इस स्तर पर वेदालंकार, विद्यालंकार और बी०ए० कक्षा के छात्रों के लिए दर्शनशास्त्र विषय त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत संचालित किया जा रहा है। जो छः सेमेस्टरों और बारह विषयों (कोर्स) के अन्तर्गत नियमतः पूर्ण होता हैं। जिसमें भारतीय एवं पाश्चात्य तर्कशास्त्र, ज्ञान मीमांसा, तत्त्व मीमांसा और नीतिशास्त्र आदि विषयों का अध्यापन कराया जाता है ।

विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

दर्शन विभाग की अनेक उपलब्धियाँ यहाँ उल्लेखनीय है। जोकि निम्नवत् है–

1. **प्राच्य विद्या का प्रमुख प्रसारक एवं संवाहक–** दर्शन विभाग की गणना देश के उन गिने चुने विभागों में होती हैं जिन्होंने वेदों उपनिषदों और षड्दर्शनों में वर्णित दार्शनिक सिद्धान्तों एवं आदर्शों के अनुरूप युवा वैदिक दार्शनिक तैयार करना अपना प्रमुख दायित्व समझा है। कुम्भ क्षेत्र हरिद्वार के जिज्ञासु साधक और सन्त महात्माओं के अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों से दार्शनिक ज्ञानार्जन करने के लिए जिज्ञासु समय–समय पर विभाग के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेते रहे हैं। एम०ए०, पी–एच०डी० आदि उपाधि लेकर वैदिक आदर्शों और जीवन मूल्यों का प्रचार–प्रसार करके दर्शन विभाग और विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाते रहे हैं। कोरिया और नेपाल आदि देशों से भी छात्र समय–समय पर दर्शन विभाग में प्रवेश लेकर ज्ञानार्जन करते रहे हैं।

2.प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में विभागीय छात्रों /छात्राओं की सफलता– इस दिशा में भी दर्शन विभाग की उल्लेखनीय उपलब्धि रही है। समय–समय पर लोक सेवा आयोग एवं यू.जी.सी. नेट परीक्षा में विभाग के अनेक छात्र/छात्राओं ने सफलता अर्जित की है। इसके लिए विभागीय प्राध्यापकों का कुशल मार्गदर्शन और उद्देश्यमूलक पाठ्यक्रम भी मुख्य रूप से उपयोगी सिद्ध हुए हैं।

3. विभाग की भविष्य की विकासात्मक योजना–

विभाग को वैदिक दर्शन के विशिष्ट अध्ययन एवं अनुसंधान के रूप में विकसित करना।

3. दार्शनिक कान्फ्रेंस और संगोष्ठियों का आयोजन– दर्शन विभाग के विद्वान् प्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय एवं बहुआयामी शोधकार्य भी विभाग की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जो विभिन्न रूपों में सामने आती रही है। यथा– बहुआयामी शोध लेखन, शोध संगोष्ठी में प्रस्तुतिकरण, शोध पत्रों एवं ग्रन्थों का प्रकाशन, शोध संगोष्ठियों और कान्फ्रेंसों का समय–समय पर विभाग द्वारा आयोजन आदि। इनके साथ–साथ पी–एच०डी० उपाधि के लिए कुशल निर्देशन आदि उपलब्धियां भी संख्यात्मक एवं गुणात्मक दोनों दृष्टियों से यहाँ उल्लेखनीय है। समय–समय पर दार्शनिक कान्फ्रेंसों और शोध संगोष्ठियों का सफलतापूर्वक आयोजन इसका प्रमाण है। जो क्रमशः निम्नवत् है।

1. विभाग द्वारा आयोजित दार्शनिक कान्फ्रेंस एवं शोध संगोष्ठियों की सूची (2009 - 2014)

क्र० सं०	कान्फ्रेंस / सेमीनार	समय
1	शोध–प्रविधि पर राष्ट्रिय कार्यशाला	1–7 अक्टूबर 2012
2	सकारात्मक चिंतन का दार्शनिक स्वरूप एवं वर्तमान सन्दर्भ में उसकी प्रासंगिकता– राष्ट्रिय संगोष्ठी	26 मार्च 2012
3	इण्डियन फिलॉसोफिकल कांग्रेस 84वां अधिवेशन	9–11 जनवरी 2011

पाठ्यक्रम *

Code BPI – 101 अलंकार – प्रथम सत्र समयः 3 घण्टे
प्रथम पत्र – भारतीय तर्कशास्त्र – I पूर्णांकः 100 + 50 = 150

प्रथम इकाई :– भारतीय तर्कशास्त्र – अर्थ एवं स्वरूप, न्याय का अर्थ, भारतीय तर्कशास्त्र के रूप में न्याय दर्शन का अध्ययन, ज्ञान–प्रक्रिया के प्रमुख तत्त्व।
द्वितीय इकाई :– प्रमाण का अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकार, प्रामाण्यवाद।
तृतीय इकाई :– प्रत्यक्ष प्रमाण – स्वरूप, उसके भेद। अनुमान का अर्थ, अनुमान के भेद, पंचावयव।
चतुर्थ इकाई :– उपमान प्रमाण, अनुमान एवं उपमान में तुलना, शब्द प्रमाण, शाब्दबोध।
पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper I - Indian Logic

1st Unit :- Indian Logic – Meaning and Nature, Meaning of Nyaya, Study of Nyāya Philosophy in the form of Indian Logic, Main elements of Knowledge Process.
2nd Unit :- Meaning of Pramāṇa, object and types, Pramāṇyavada.
3rd Unit :- Pratyaksha – Nature and Kinds. Definition of Anuman and its Kinds, Panchavyava.
4th Unit :- Upamān Pramaṇ, Comparison in Anumān and Upmān, Śhabda Pramāṇ, Shabdabodha.
5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. न्यायदर्शनम् विद्योद्य भाष्य – आचार्य उदयवीर शास्त्री (निर्धारित)
2. न्यायदर्शन वात्स्यायन भाष्य
3. भारतीय तर्कशास्त्र – शान्ति प्रसाद आत्रेय
4. तर्कसंग्रह – अन्नम्भट्ट

Code BPI – 102 **अलंकार – प्रथम सत्र** **समयः 3 घण्टे**

द्वितीय पत्र –भारतीय तर्कशास्त्र – II **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– तर्क का स्वरूप, संशय की परिभाषा एवं प्रकार, तर्कशास्त्र में संशय एवं तर्क की भूमिका, प्रयोजन।

द्वितीय इकाई :– सिद्धान्त का अर्थ एवं उसके भेद, हेतु की कसौटियाँ, हेत्वाभास का अर्थ एवं उसके भेद।

तृतीय इकाई :– निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा, छल की परिभाषा एवं उसके प्रकार।

चतुर्थ इकाई :– उपाधि, व्याप्ति – अन्वय, व्यतिरेक एवं अन्वय व्यतिरेक। साधर्म्य – वैधर्म्य, जाति, निग्रहस्थान, अनुमान के विविध प्रयोग।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper II - Indian Logic

1st Unit **:-** Nature of Tark, Definition of Samshaya and its Kinds, Role of Tark and Samshaya in logic, Prayojana.

2nd Unit :- Meaning of Siddhant and its Kinds,Criterion of Hetu, Meaning of Hetvabhasa and its Kinds.

3rd Unit :- Nirṇya, Vāda, Jalpa, Vitandā, Definition of Chhala and its Kinds.

4th Unit :- Upādhi, Vyāpti – Anvaya, Vyatireka and Anvaya Vyatireka. Sādharmya – Vaidharmya, Jāti, Nigrahasthāna, Different uses of Anumāna.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. भारतीय तर्कशास्त्र – शान्ति प्रसाद आत्रेय (निर्धारित)
2. न्यायदर्शनम् विद्योद्य भाष्य – आचार्य उदयवीर शास्त्री
3. तर्कभाषा – केशव मिश्र
4. तर्कसंग्रह – अन्नमभट्ट

Code BPI – 201 अलंकार – द्वितीय सत्र समयः 3 घण्टे

प्रथम पत्र – पाश्चात्य तर्कशास्त्र – I पूर्णांकः 100 + 50 = 150

(आगमनात्मक तर्कशास्त्र)

प्रथम इकाई :– तर्कशास्त्र – परिभाषा, स्वरूप, विषय वस्तु, महत्त्व। अन्य विषयों से सम्बन्ध – दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं नीतिशास्त्र।

द्वितीय इकाई :– प्रतिज्ञप्ति की परिभाषा, वाक्य एवं प्रतिज्ञप्ति में अन्तर, प्रतिज्ञप्ति का परम्परागत वर्गीकरण, प्रतिज्ञप्ति का आधुनिक विश्लेषण।

तृतीय इकाई :– युक्ति का अर्थ, उसके प्रमुख अंग। युक्ति के भेद–आगमनात्मक एवं निगमनात्मक, सत्य एवं वैधता।

चतुर्थ इकाई :– आगमन का स्वरूप, विषय–वस्तु एवं उसका महत्व। आगमन के आधार–प्रकृति की समरूपता का नियम, कारणता का नियम। आगमन का विरोधाभास।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper I - Western Logic
(Inductive Logic)

1st Unit :- Logic – Definition, Nature, Subject matter and its importance. Relation of Logic from other Subjects – Philosophy, Psychology and Ethics.

2nd Unit :- Definition of Proposition, Difference between Sentence and Proposition, Traditional classification of Proposition, Contemporary analysis of Proposition.

3rd Unit :- Meaning of Argument, its main parts. Kinds of Argument – Inductive and Deductive, Truth and Validity.

4th Unit :- Nature of Induction, Subject matter and its importance. Basis of Induction– Law of Analogy of nature, Law of Causation. Fallacy of circular induction.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. पाश्चात्य आगमन तर्कशास्त्र – याकूब मसीह (निर्धारित)
2. तर्कशास्त्र प्रवेश – बांकेलाल शर्मा
3. Introduction to Logic – Becon O. Conner
4. Introduction to Logic – Cohen & Nege

Code BPI – 202 **अलंकार – द्वितीय सत्र** **समयः 3 घण्टे**

द्वितीय पत्र – पाश्चात्य तर्कशास्त्र – II पूर्णांकः पूर्णांकः 100 + 50 = 150

(निगमनात्मक तर्कशास्त्र)

प्रथम इकाई :– निगमनात्मक तर्कशास्त्र– विषय–वस्तु, स्वरूप एवं महत्त्व। आगमन एवं निगमन में सम्बन्ध।

द्वितीय इकाई :– निगमनात्मक प्रतिज्ञप्ति का स्वरूप, निरूपाधिक प्रतिज्ञप्तियाँ, निगमनात्मक युक्ति, विचार के नियम।

तृतीय इकाई :– प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र – स्वरूप, आवश्यकता। प्रतीक एवं उनका प्रयोग, सत्यता – सारणी, अनुमान एवं आपादन।

चतुर्थ इकाई :– विचार के नियमों का प्रतीकीकरण, तादात्म्य, व्याघात प्रदर्शन, अनुमान के नियम।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper II - Western Logic
(Deductive Logic)

1st Unit :- Deductive logic – Subject matter, Nature and Importance. Relation between Induction and Deduction.

2nd Unit :- Form of Deductive Proposition, Catagorical Proposition, Deductive Argument, Laws of thought.

3rd Unit :- Symbolic logic – Nature, needs. Symbols and their uses, Truth Table, Inference and Implication.

4th Unit :- Symbolization of Laws of thought, identical, Contradiction Display Laws of inference.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. तर्कशास्त्र प्रवेश – बांकेलाल शर्मा (निर्धारित)
2. आधुनिक तर्कशास्त्र एक परिचय – रमाशंकर मिश्र
3. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र प्रवेशिका – अशोक कुमार वर्मा
4. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र – राजनारायण
5. Introduction to Logic – I. M. Copy
6. Introduction to Logic – Becon O. Conner

Code BPI – 301 अलंकार – तृतीय सत्र समयः 3 घण्टे
प्रथम पत्र – भारतीय ज्ञानमीमांसा **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– ज्ञान का स्वरूप, ज्ञान में प्रमाणों की भूमिका, प्रमाणों की संख्या, प्रमा एवं अप्रमा में भेद।
द्वितीय इकाई :– प्रत्यक्ष प्रमाण एवं उसके भेद, अनुमान प्रमाण एवं उसके प्रकार, उपमान प्रमाण, शब्द प्रमाण एवं उसके प्रकार।
तृतीय इकाई :– अर्थापत्ति, ऐतिह्य, सम्भव, अनुपलब्धि।
चतुर्थ इकाई :– प्रामाण्यवाद – न्याय, सांख्य, मीमांसा एवं बौद्ध।
पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper I - Indian Epistemology

1st Unit :- Nature of Knowledge, Role of Pramanas in Knowledge, Number of Pramanas, Difference between Prama and Aprama.
2nd Unit :- Pratyaksha Prāmāna and its Kinds, Anuman Pramana and its Kinds, Upamana Pramana, Śabada Pramana and its Kinds.
3rd Unit :- Arthapatti, Aitihya, Sambhava, Anuplabdhi.
4th Unit :- Pramāṇyāvāda – Nyāya, Sāṃkhya, Mimāṃsa and Buddhism.
5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. मानमेयोदय – नारायण भट्ट (निर्धारित)
2. भारतीय दर्शन – डॉ0 एस0 राधाकृष्णन्
3. तर्क भाषा – केशव मिश्र
4. भारतीय ज्ञानमीमांसा – नीलिमा शर्मा
5. जैन, बौद्ध और न्याय दर्शनों में ज्ञानमीमांसा – डॉ0 ओ३म शर्मा
6. Six ways of Knowing - D.M. Datte
7. The Nyaya Theory of Knowledge – S.C. Chattarjee

Code BPI – 302 **अलंकार – तृतीय सत्र** **समयः 3 घण्टे**

द्वितीय पत्र – भारतीय तत्त्वमीमांसा **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– (वैशेषिक दर्शन) पदार्थ – द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय और अभाव।

द्वितीय इकाई :– (न्याय दर्शन) प्रमेय – आत्मा, शरीर, इन्द्रिय, अर्थ बुद्धिः मन, प्रवृत्ति, दोष, प्रेत्यभाव, फल, दुःख एवं अपवर्ग।

तृतीय इकाई :– (सांख्य–योग) पुरूष का स्वरूप, पुरूष की अनेकता, प्रकृति का स्वरूप–सृष्टि प्रक्रिया, पुरूष एवं प्रकृति में भेद, दोनों में सम्बन्ध, पुरूषविशेष– ईश्वर का स्वरूप।

चतुर्थ इकाई :– (वेदान्त दर्शन) जीव, जगत् एवं ईश्वर का स्वरूप, साधन–चतुष्टय, मुक्ति।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper II - Indian Metaphysics

1st Unit :- (Vaisheshik Darshan) – Padartha – Dravya, Guna, Karma, Sāmānya, Vishesha, Sāmāvaya and Abhāva.

2nd Unit :- (Nyaya Darshan) – Prameya – Atma, Sharir, Indriya, Arth, Buddhi, Man, Pravretti, Dosha, Pretyabhava, Phal, Dukha and Apvarga.

3rd Unit :- (Samkhya – Yoga) Nature of Purush, Plurality of Purusha, Nature of Prakriti– ontological Procedure (Srishti Prakriya) Relation and Difference between Purush and Prakriti. Purush–Vishesh, Nature of Eshvera.

4th Unit :- (Vedānta Darshan) – Nature of Iswar, Jagat and Jeev, Sadhan chatustaya, Mukti.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. मानमेयोदय – नारायण भट्ट (निर्धारित)
2. भारतीय दर्शन – डॉ0 एस0 राधाकृष्णन्
3. भारतीय दर्शनों में तत्त्वों का समस्यात्मक विवेचन – डॉ0 रमा पाण्डेय
4. An Introduction to Indian Philosophy – D.M. Dutta & Chatterjee
5. Outlines of Indian Philosophy – M.Hiriyanna

Code BPI - 401 **अलंकार – चतुर्थ सत्र** **समयः 3 घण्टे**

प्रथम पत्र – पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– ज्ञान की अवधारणा – ज्ञान की परिभाषा, ज्ञान के प्रकार, ज्ञान के प्रयोग, परिचय के द्वारा ज्ञान, वर्णन के द्वारा ज्ञान।

द्वितीय इकाई :– देकार्ते की संदेह विधि, ह्यूम का संशयवाद, सत्य, विश्वास, कान्ट द्वारा औचित्य स्थापन।

तृतीय इकाई :– बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद।

चतुर्थ इकाई :– सत्य के सिद्धान्त – संवादिता, संसक्तता, व्यावहारिकता, संश्लेषण, विश्लेषण।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper I - Western Epistemology

1st Unit :- Concept of Knowledge – Definition, kinds and its uses, knowledge by acquaintance and knowledge by description.

2nd Unit :- Method of Doubt – Descartes, Scepticism of Hume, Truth, Belief, Justification by Kant.

3rd Unit :- Rationalism, Empiricism and Critical Philosophy.

4th Unit :- Theories of Truth, Correspondence, Coherence and Pragmatism, Analysis and Synthesis.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. ज्ञानमीमांसा की समस्याऐं – डॉ0 हृदय नारायण मिश्र (निर्धारित)
2. दर्शनशास्त्र का परिचय (हि0अ0) – डब्ल्यू पैट्रिंक
3. पाश्चात्य दर्शन – डॉ0 ब्रह्म स्वरूप अग्रवाल
4. पाश्चात्य दर्शन की समस्याएं – एच0एन0मिश्र
5. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – दयाकृष्णन
6. Problem of Philosophy – Bertrand Rusell.
7. Introduction of Philosophy – Polman.

Code BPI - 402 **अलंकार – चतुर्थ सत्र** **समयः 3 घण्टे**
द्वितीय पत्र – पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– दर्शन एवं तत्त्वचिन्तन, तत्त्वमीमांसा का स्वरूप, प्रमुख समस्याएं, दर्शन एवं विज्ञान।
द्वितीय इकाई :– सत् का स्वरूप – अध्यात्मवाद, भौतिकवाद, द्वैतवाद, अनेकत्ववाद, सर्वेश्वरवाद।
तृतीय इकाई :– मन और शरीर के सम्बन्ध की समस्या, अन्तःक्रियावाद, समान्तरवाद, चिदणुवाद।
चतुर्थ इकाई :– ईश्वर की अवधारणा, ईश्वर अस्तित्व के प्रमाण, आभास एवं सत्, कारणता, सामान्य।
पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper II - Western Metaphysics

1st Unit :- Philosophy and Metaphysical thinking, Nature of Metaphysics, main Problems, Philosophy and Science.
2nd Unit :- Nature of Reality (Sat), Spiritualism, Materialism, Dualism, Pluralism, Pantheism,
3rd Unit :- Problem of Mind – Body Relations: Interactionism, Parallelism, Monadology.
4th Unit :- Concept of God, Proof for the Existence of God, Appearance and Reality, Causation, Universal.
5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. दर्शनशास्त्र का परिचय – डब्ल्यू पैट्रिंक (निर्धारित)
2. पाश्चात्य दर्शन – डॉ0 ब्रह्म स्वरूप अग्रवाल
3. पाश्चात्य दर्शन की समस्याएं – एच0एन0मिश्र
4. दर्शन विवेचना – डॉ0 वी0पी0वर्मा
5. Problem of Philosophy – Bertrand Rusell.
6. Introduction of Philosophy – Polman.

Code BPI - 501 **अलंकार – पंचम सत्र** **समयः 3 घण्टे**

प्रथम पत्र – भारतीय नीतिशास्त्र – I **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– भारतीय नीतिशास्त्र की अवधारणा, प्रमुख विशेषताएं, पुरूषार्थ की परिभाषा, पुरूषार्थ – चतुष्टय।

द्वितीय इकाई :– संस्कार का अर्थ, संस्कार के भेद, वर्णधर्म, आश्रम धर्म, वर्णाश्रम व्यवस्था (मनुस्मृति)।

तृतीय इकाई :– यम, नियम, क्रियायोग, अष्टांगयोग, (योगसूत्र) विधि, निषेध।

चतुर्थ इकाई :– साधन चतुष्टय, कर्म, धर्म, स्वधर्म, लोकसंग्रह, शरणागति।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper I - Indian Ethics

1st Unit :- Concept of Indian Ethics, Main features, Definition of Purusharth, Purushartha Chatushtaya.

2nd Unit :- Meaning of Sanskār and its Kinds, Varna – Dharm, Aashram – dharam, Varnaashram System (Manusmriti).

3rd Unit :- Yama, Niyama, Kriyayoga, Astāngyoga (Yog Sutra), Vidhi, Nishedha.

4th Unit :- Sādhan Chatushtaya, Karma, Dharm, Swadharm, Lok – Sangrha, Sharṇagati.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. अर्थसंग्रह – लौगाक्षिभास्कर (निर्धारित)
2. मनुस्मृति
3. योगसूत्र – व्यास भाष्य
4. श्रीमद्भगवद्गीता – शांकर भाष्य
5. नीतिशास्त्र की समस्याएं – एच0एन0मिश्र
6. भारतीय नीतिमीमांसां – राजवीर सिंह शेखावत

Code BPI – 502 अलंकार – पंचम सत्र समयः 3 धण्टे

द्वितीय पत्र – भारतीय नीतिशास्त्र – II पूर्णांकः 100 + 50 = 150

प्रथम इकाई :– भौतिक सुखवाद (चार्वाक), समीक्षा, अभ्युदय एवं निःश्रेयस।
द्वितीय इकाई :– मध्यम प्रतिपदा, चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, ब्रह्मविहार (बौद्ध दर्शन)।
तृतीय इकाई :– त्रिरत्न, महाव्रत, अणुव्रत, मुक्ति (जैन दर्शन)।
चतुर्थ इकाई :– कर्मफलवाद, निष्काम कर्म, ज्ञान, भक्ति, वैराग्य, स्थितप्रज्ञता (भगवद्गीता)।
पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper II - Indian Ethics

1st Unit :- Material – Hedonism (Carvak), Criticism, Prosperity and Ultimate End.
2nd Unit :- Middle Path, Four Noble Truths, Eightfoldpath, Brahmavihara (Buddhism)
3rd Unit :- Triratna, Mahavrata, Anuvrata, Liberation, (Jainism).
4th Unit :- Law of Karma, Nishkāma Karma, Jñāna, Bhakti, Vairagya, Sthitaprajnata (Bhagvadgita).
5th Unit :- Objective/Multiple Choice Question.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. भारतीय नीतिमीमांसा – राजवीर सिंह शेखावत (निर्धारित)
2. भारतीय नीतिशास्त्र – दिवाकर पाठक
3. भारतीय दर्शन – डॉ0 एस0राधाकृष्णन
4. श्रीमद्भगवद्गीता
5. भारतीय नीतिशास्त्र – बी0एल0आत्रेय
6. भारतीय नीतिदर्शन – सुखदेव शास्त्री

Code BPI - 601 **अलंकार – षष्ठ सत्र** **समयः 3 घण्टे**

प्रथम पत्र – पाश्चात्य नीतिशास्त्र – I **पूर्णांकः 100 + 50 = 150**

प्रथम इकाई :– नीतिशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति, समस्या, नीतिशास्त्र का तत्त्व मीमांसा, मनोविज्ञान एवं धर्मशास्त्र से सम्बन्ध।

द्वितीय इकाई :– नैतिकता की आधारभूत मान्यताएं– संकल्प–स्वातन्त्र्य, नियतिववाद – समीक्षा, आत्मा की अमरता, ईश्वर का अस्तित्व।

तृतीय इकाई :– नैतिक प्रत्यय – शुभ एवं अशुभ, उचित एवं अनुचित, नैतिक सद्‌गुण – अरस्तू एवं काण्ट, नैतिक निर्णय।

चतुर्थ इकाई :– कर्तव्य, अधिकार, कर्तव्य–अधिकार सापेक्षता, दण्ड के सिद्धान्त, मूल्यांकन।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper I - Western Ethics

1st Unit :- Definition of Ethics, Nature and Problems, Relation to Metaphysics, Psychology and Theology.

2nd Unit :- Postulates of Morality – Freedom of will, Determinism, Criticism, Immortality of Soul, Existence of God.

3rd Unit :- Moral Concepts – Good and Evil, Right and Wrong, Ethical Virtue: Aristotle and Kant, Moral Judgment.

4th Unit :- Duties, Rights, Duty – Right relation, Theories of Punishment – Evaluation.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. नीतिशास्त्र की भूमिका – लक्ष्मी सक्सेना (निर्धारित)
2. पाश्चात्य नीतिशास्त्र की भूमिका – हृदयनारायण मिश्र एवं अवस्थी
3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त – डॉ0 डी0आर0जाटव
4. नीतिशास्त्र की रूपरेखा – डॉ0 अशोक कुमार वर्मा
5. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त – वी0पी0वर्मा
6. Western Ethics – Mackenzie
7. Five types of Ethical Theory – C.D.Broad

Code BPI – 602 अलंकार – षष्ठम सत्र समयः 3 घण्टे

द्वितीय पत्र –पाश्चात्य नीतिशास्त्र – II पूर्णांकः 100 + 50 = 150

प्रथम इकाई :– सुखवाद का अर्थ, प्रमुख प्रकार – मनोवैज्ञानिक, नैतिक एवं परिमाण मूलक, उपयोगितावाद।

द्वितीय इकाई :– बुद्धिवाद का अर्थ, कान्ट पूर्व बुद्धिवाद – सिनिकवाद, स्टोइकवाद, ईसाई वैराग्यवाद। काण्टीय बुद्धिवाद, समीक्षा।

तृतीय इकाई :– सहजज्ञानवाद, आत्मनिष्ठतावाद, वस्तुनिष्ठतावाद, वर्णनात्मकतावाद।

चतुर्थ इकाई :– परम शुभ – नीत्शे का अतिमानववाद, कार्लमार्क्स का साम्यवाद। वैश्वीकरण के मूल्य, समीक्षा।

पंचम इकाई :– वस्तुनिष्ठ/बहुवैकल्पिक चयनित प्रश्न।

Paper II - Western Ethics

1st Unit :- Meaning of Hedonism, main Kinds – Psychological Ethical and Quantitative, Utilitarianism.

2nd Unit :- Meaning of Rationalism, Kant ancient rationalism before Kant – Cynicism, Stoicism, Criticism Kantian Rationalism, Criticism.

3rd Unit :- Intuitionism, Subjectivism, Objectivism, Descriptivism.

4th Unit :- Ultimate Good – Superman of Nietzsche, Karl Marks's Communism, Values of Globalization, Criticism.

5th Unit :- Objective/Multiple Choice Questions.

निर्धारित/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. पाश्चात्य नीतिशास्त्र की भूमिका – हृदयनारायण मिश्र एवं अवस्थी (निर्धारित)
2. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त – वी0पी0वर्मा
3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त – डॉ0 डी0आर0जाटव
4. Western Ethics – Mackenzie
5. Five types of Ethical Theory – C.D.Broad

Code MPI - 101 एम0ए0 दर्शनशास्त्र – प्रथम सत्र समयः 3 घण्टे

प्रथम पत्र — भारतीय नीतिशास्त्र **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई — शब्द (वेद प्रामाण्य), वेद का अपौरुषेयत्व, पुरुष का स्वरूप, धर्म, धर्म की परिभाषा एवं लक्षण।

द्वितीय इकाई — अपूर्व, भावना, साध्य, साधन, इतिकर्त्तव्यता, इष्ट साधनता।

तृतीय इकाई — विधि, निषेध, मन्त्र, अर्थवाद, ऋत, सत्य, ऋण, यज्ञ,भारतीय पर्यावरणीय नीतिशास्त्र।

चतुर्थ इकाई — कर्म सिद्धान्त एवं इसके आचारशास्त्रीय परिणाम, कर्म के भेद, वर्णाश्रम धर्म, साधारण धर्म।

पंचम इकाई — योगक्षेम, गीता में वर्णित कर्मयोग, स्वधर्म तथा लोकसंग्रह। बौद्ध दर्शन का उपाय कौशल, ब्रह्मविहार, जैन–त्रिरत्न, योगदर्शनानुसार यम, नियम।

Paper I - Indian Ethics

UNIT – I Shabda (Ved-Prãmãñya), Apaurusheyatva, Nature of Puruṣa, Definition and characteristics of Dharma.

UNIT – II Apūrva, Bhãvanã, Sãdhya, Sãdhan, Itikartavyatã, Iṣtasãdhanatã.

UNIT – III Vidhi, Niṣedha, Mantra Arthavãd, Rita, Satya, Rina, Yajna, Indian Environmental Ethics.

UNIT – IV The law of Karma and its Ethical implications, Kinds of Karma, Varnashrama Dharma Sãdhãran Dharma.

UNIT – V Yoga-kshema, Karmayoga of Bhagvadgita, Swadharma And Lokasamgraha. Upãyakaushala of Bouddh Darshan, Brahma Vihara, Tri-ratna of Jainism, Yama and Niyama of Yoga Darshan.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. जैमिनीय सूत्र के प्रथम पाँच सूत्र, शाबरभाष्य सहित
2. शास्त्रदीपिका – पार्थसारथि मिश्र
3. प्रकरण पंचिका – शालिकनाथ
4. अर्थ संग्रह – लौगाक्षि भास्कर
5. भारतीय नीतिमीमांसा – डॉ0 राजवीर सिंह शेखावत
6. The Ethics of the Hindus — S.K. Maitra
7. Philosophy of Hindu Sadhana — N.K. Brahma
8. The Indian Conception of Values — M.Hiriyanna
9. Ethical Philosophy of India — I.C. Sharma
10. Aspects of Hindu Morality — Sarala Jhingran

Code MPI – 102 **एम0ए0 दर्शनशास्त्र – प्रथम सत्र** **समयः 3 घण्टे**

द्वितीय पत्र–पाश्चात्य नीतिशास्त्र **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई – नीतिशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप, एवं क्षेत्र, मनोविज्ञान,समाज–विज्ञान व धर्म से सम्बन्ध।
द्वितीय इकाई – नैतिक प्रत्यय–शुभ, उचित, न्याय। नैतिक सद्गुण– प्लेटो, अरस्तू, नीत्से, मार्क्स।
तृतीय इकाई – सुखवाद – मनोवैज्ञानिक, नैतिक। उपयोगितावाद – स्थूल, परिष्कृत। बुद्धिवाद – काण्ट।
चतुर्थ इकाई – अन्तःप्रज्ञावाद – कडवर्थ, बटलर, जी0ई0मूर। संज्ञानवाद, असंज्ञानवाद।
पंचम इकाई – स्वतन्त्रता, कर्तव्य एवं नैतिक बाध्यता, दण्ड के सिद्धान्त, मानव अधिकार, पर्यावरणीय नीतिशास्त्र, नारीवाद।

Paper II - Western Ethics

Unit i. Definition of Ethics, Nature & Scope of Ethics, Relation of Ethics to Psychology, Sociology and Religion.

Unit ii. Moral Concepts – Good, Right, Justice. Moral – Virtue – Plato, Aristotle, Nietzsche, Karl Marx.

Unit iii. Hedonism – Psychological, Ethical. Utilitarianism – Gross, Refined. Rationalism – Kant.

Unit iv. Intuitionism – Cudwarth, Butler, G.E.Moore. Cognitivism, Non – cognitivism.

Unit v. Freedom, Duty and obligation, Theories of Punishment. Human Right, Environmental – Ethics, Feminism.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. नीतिशास्त्र मीमांसा – जी0ई0मूर (हिन्दी अनुवाद)
2. अधिनीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त – डॉ0 वेदप्रकाश वर्मा
3. नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त – डॉ0 वेदप्रकाश वर्मा
4. नीतिशास्त्र की समकालीन दर्शन प्रवृत्तियां – डॉ0 सुरेन्द्र वर्मा
5. नीतिशास्त्र की भूमिका – मिश्र एवं अवस्थी
6. Ethical Theory – Bradt
7. Moern Moral Philosophy – Hudson, W.D.
8. Ethical Theroy – Pabel and Schiler
9- Traditional and contemporary, Ethics (Indian & Western) – Prof. H.M
10- Principia Ethica – G.E. Moore

Code MPI – 103 **एम.ए. दर्शनशास्त्र – प्रथम सत्र** **समयः 3 घण्टे**

तृतीय पत्र — भारतीय ज्ञानमीमांसा **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई — ज्ञान, ज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, ज्ञान के भेद – प्रमा–अप्रमा, प्रमा के भेद,प्रामाण्य : प्रामाण्य की उत्पत्ति, ज्ञप्ति, स्वतःप्रामाण्यवाद, परतःप्रामाण्यवाद।

द्वितीय इकाई — स्वप्न और स्मृति की प्रामाणिकता—अप्रामाणिकता, ज्ञान की सविषयता—साकारता, स्वप्रकाशता–परप्रकाशता।

तृतीय इकाई — प्रमाण : प्रमाणों का संक्षिप्त अध्ययन — प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अनुपलब्धि।

चतुर्थ इकाई — ख्यातिवाद : अख्याति, अन्यथाख्याति, आत्मख्याति, असत्ख्याति, अनिर्वचनीयख्याति, सत्ख्याति, सदसत्ख्याति।

पंचम इकाई — प्रमाणव्यवस्था और प्रमाणसम्प्लव का विवेचन। शब्द प्रमाण की भूमिका, श्रुतिप्रमाण की सर्वोत्कृष्टा।

PAPER III - INDIAN EPISTEMOLOGY

UNIT – I Cognition, Definition and Nature of Cognition, Division of Cognition, Valid (Pramã) Invalid (Apramã).Classification of Pramã, Prãmãñya: Origin (Utpatti), ascertainment (Jnapti),Svatah prãmãñyvãda, Paratah prãmãñyavãda.

UNIT – II Validity and Invalidity of dream and memory cognition. The debate about knowledge: Savishayatva,Sãkãratva, Svaprakãshata, Paraprakãshata.

UNIT – III A brief study of Pramãñas: Pratyaksha, Anumãna, Upamãna, Shabda, Arthapatti, Anupalabdhi.

UNIT – IV Theories of Error (Khyãtivãda) : Akhyãti, Anyathãkhyãti, Atmakhyãti, Asatkhyãti, Anirvachaniyakhyãti, Satkhyãti, Sadasatkhyãti.

UNIT – V The debate concerning Pramãnã Vyavasthã, and Pramãñasamplava,
The special role of Shabda pramãña, Supremacy of Shrutiparamãña.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. भारतीय दर्शन — डॉ0 एस0 राधाकृष्णन
2. सिद्धान्त मुक्तावली – विश्वनाथ पंचानन
3. न्यायबिन्दु — धर्मकीर्ति
4. वेदान्त परिभाषा — धर्मराजाध्वरीन्द्र
5. मानमेयोदय — नारायण भट्ट

6. वेदार्थ संग्रह – रामानुज
7. भारतीय ज्ञानमीमांसा – नीलिमा शर्मा
8- The Concept of Knowledge – Debabrata Sen
9- Methods of Knowledge – Swami Satprakashananda
10- The Six Ways of Knowledge – D.M. Datta
11- The Nyãya Theory of Knowledge – S.C. Chatterjee
12- Epistemology of the Bhãtta School of Pürva Mïmamsã
13- Perceptual Error, The Indian Theories – Shrinivãs Rao
14- The Jaina Theories of Knowledge & Reality – Bist, U.S.

Code MPI – 104 एम0ए0 दर्शनशास्त्र – प्रथम सत्र समयः 3 घण्टे

चतुर्थ पत्र — पाश्चात्त्य ज्ञान मीमांसा पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई — सन्देहवाद, ज्ञान की सम्भाव्यता, ज्ञान का स्वरूप और परिभाषा, विश्वास और ज्ञान।

द्वितीय इकाई — ज्ञान का औचित्य : दावा और ज्ञानमीमांसीय निर्णय, स्थापनावाद, संसक्ततावाद, कारणता सिद्धान्त, विश्वसनीयता (आस्थावाद)।

तृतीय इकाई — प्रत्यक्ष के सिद्धान्त, स्मृति की समस्या, भूतकाल का ज्ञान।

चतुर्थ इकाई — सत्य के सिद्धान्त : स्वतःप्रामाण्य, संवादिता सिद्धान्त, संसक्तता सिद्धान्त, व्यावहारिक और शास्त्रीय (सांकेतिक) सिद्धान्त, अर्थ और सन्दर्भ।

पंचम इकाई — अनुभव–पूर्व ज्ञान : विश्लेषणात्मक, संश्लेषणात्मक, आवश्यक और आकस्मिक, (संभाव्य, अनिश्चित) ज्ञान की सीमाएँ।

Paper – IV : WESTERN EPISTEMOLOGY

UNIT – I Scepticism, Possibility of knowledge, Nature of Knowledge and definition of Knowledge, Belief and knowledge.

UNIT – II Justification of knowledge: claim and epistemic decision, Foundationalism, Coherentism, Causal theory, Reliabilism.

UNIT – III Theories of perception, Problem of memory, Knowledge of the past.

UNIT – IV Theories of Truth: Self-evidence Theory Correspondence theory, Coherence theory, Pragmatic and Semantic theory, Meaning and Reference.

UNIT – V A priori knowledge: Analytic and Synthetic, Necessary and contingent, Limits of knowledge.

संदर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. दार्शनिक विश्लेषण परिचय – जॉन हास्पर्स
2. ज्ञानमीमांसा की समस्याएं – डॉ0 एच0एन0मिश्र
3. शुद्ध बुद्धि मीमांसा – ई0 काण्ट
4. मनन (मेडीटेशन का हिन्दी अनुवाद) – डेकार्टे
5. The Problem of Knowledge – A.J.Ayer
6. Human Knowledge – B. Russell
7. Doubt Belief and Knowledge – S. Bhattacharya
8- Induction Probability and Sclepticism – D.P.chattopadhyaya
9. Theory of Knowledge - Woozley

Code MPI – 201 एम.ए. दर्शनशास्त्र – द्वितीय सत्र समय : 3 घण्टे

प्रथम पत्र — भारतीय तत्त्व मीमांसा पूर्णांक : 70+30 = 100

प्रथम इकाई — प्रमेय (न्याय, सांख्य, वेदान्त)
तत्त्व मीमांसा के तीन आधारभूत तत्त्व — आत्मन्, ईश्वर और जगत्।
सत् : नित्य, अनित्य

द्वितीय इकाई — ईश्वर : जगत् के सन्दर्भ में ईश्वर की भूमिका, भक्ति सम्प्रदायों में ईश्वर की भूमिका, ईश्वर सिद्धि में प्रमाण, ईश्वर के खण्डन में तर्क, कर्माध्यक्ष के रूप में ईश्वर।

तृतीय इकाई — मानव : आत्मा, नैरात्म्यवाद, आत्मा और जीव, जीव एक कर्त्ता, भोक्ता और ज्ञाता — विभिन्न दृष्टिकोण। भौतिक जगत् : संसार एक कर्मभूमि, भौतिक जगत् का स्वरूप और रचना : पंचभूत, पंचतन्मात्रा, त्रिगुण, पंचीकरण, व्यावहारिक और पारमार्थिकसत्ता।

चतुर्थ इकाई — मानव मस्तिष्क, मन का स्वरूप, मन की भौतिकता एवं अभौतिकता, मन और आत्मा में भेद।

पंचम इकाई — सामान्य—विभिन्न सिद्धान्त, कारणकार्यवाद (विभिन्न दृष्टिकोण), पदार्थ के विषय में सन्देह : नागार्जुन, जयराशि भट्ट और श्रीहर्ष।

Paper – I INDIAN METAPHYSICS

UNIT – I Prameya (Nyaya, Shankhya, Vedanta)
Basic general categories of metaphysics: Soul, God and the World, Reality : Being, Becoming

UNIT – II God : The role of God in the world — views of classical system. The new and central role of God in the Bhakti schools. Proofs for and against the existence of God. God as Karmãdhdyaksha.

UNIT – III Man: Self as Atman, Nairatmyavãda, Ātman and Jiva, The **jīva** as Kartã Bhoktã, and Jnãtã - Different perspectives. Physical World: World as Karmabhümi, Nature and Constitution of the physical World, The Theories of Five Elements, Five Subtle Elements, Three Gunas, Panchïkaraña, Vyãvahãrika and Parmarthika satta.

UNIT – IV Human mind : Nature of mind, Physical and non-physical Levels of Mind. The difference between Mind and Ātman, Importance of Mind.

UNIT – V Universals : The debate in different schools, Causation : Different theories, The scepticism for Padãrthas — Nãgãrjuna, Jayarãshi Bhatta and Shriharshā.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. भारतीय दर्शन — बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन — राधाकृष्णन
3. भारतीय दर्शन का इतिहास – एस0एन0दास गुप्ता
4. भारतीय दर्शनों में तत्त्वों का समस्यात्मक विवेचन – डॉ0रमा पाण्डेय
5. भारतीय दर्शन – डॉ0 जयदेव वेदालंकार
6. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य
7. वेदान्त सार — सदानन्द योगी
8. Classical Indian Metaphysics – Stephen H. Phillips
9. Indian Realism – Jadunath Sinha
10. Indian Realism – P.K.Mukhopadhyaya
11. Nyaya Vaisheshika Metaphysics – Sadananda Bhandri
12 Madhyamika Karika – Nagarjuna
13 Tatvopaplavasingha – Jayarashi Bhatta
14. Khandana Khanda khadya - Shriharasha

Code MPI – 202 एम.ए. दर्शनशास्त्र – द्वितीय सत्र समयः 3.00 घण्टे

द्वितीय पत्र —पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई — तत्त्वमीमांसा : सम्भाव्यता, क्षेत्र और विषय, आभास और सत्, नित्य, अनित्य, सार और अस्तित्व।

द्वितीय इकाई — द्रव्य : अरस्तू का विचार, द्रव्य और गुण, द्रव्य के भेद और उसके कार्य, बुद्धिवाद और अनुभववाद का विवेचन, सत् सम्बन्धी विचार, कारणता और नियमितता, कारणता और आश्रितता।

तृतीय इकाई — दिक् एवं काल : स्वरूप तथा स्तर सिद्धान्त, पूर्णता एवं सापेक्षता, आभास या सत्, दिक् एवं काल का सम्बन्ध।

चतुर्थ इकाई — सामान्य और विशेष : भेद, प्रकार, अमूर्त्त तत्त्व, नामगुणत्ववाद, समानता, वर्ग, वास्तववाद — शास्त्रीय और समकालीन अवधारणा।

पंचम इकाई — मन और शरीर : द्वैतवाद और भौतिकवाद —समकालीन चिन्तन, आत्मज्ञान और आत्मैक्य : स्मृति–सिद्धान्त, देह–सिद्धान्त, व्यक्ति की अवधारणा की मौलिकता।

Paper – II : WESTERN METAPHYSICS

UNIT – I Metaphysics: Possibility, Scope and concerns, Appearance and Reality, Being, Becoming, Essence and Existence.

UNIT – II Substance : Aristotle's account, Substance and properties, Kinds and activity, The debate between rationalism and empiricism, Process – view of reality. Causation: Causation and regularity causation and conditionals Relate of causation.

UNIT – III Space and Time: Nature and dimensions, Theories, Absolute and relational, Appearance & Reality, Relation between space and time.

UNIT – IV Universals and particulars: Distinction, Varieties, Nominalism, Resemblance, Classes, Realism: Classical and contemporary.

UNIT – V Mind and Body : Dualism and materialism, Contemporary debates. Self-knowledge and self-identity: Memory criterion, body criterion, The primitiveness of the concept of the person.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1- तत्त्वमीमांसा (हिन्दी अनुवाद) – रिचर्ड टेलर
2- दार्शनिक विश्लेषण परिचय – जॉन हास्पर्स
3- पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – डॉ0 दयाकृष्ण
4- पाश्चात्य दर्शन – चन्द्रधर शर्मा
5- Appearance and reality – F.H.Bradley
6- Space and Time – Richard Swinburne
7- Matter and Consciousness – P.M.Churchland

Code MPI – 203 एम.ए. दर्शनशास्त्र – द्वितीय सत्र समयः 3 घण्टे

तृतीय पत्र — भारतीय भाषादर्शन **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई — अर्थ की समस्या : अभिधा, शब्द के भेद, शब्द का अर्थ — आकृतिवाद—व्यक्तिवाद, जातिवाद—जाति आकृति व्यक्तिवाद, जाति–विशिष्ट–व्यक्तिवाद, अपोहवाद, शाब्दबोध।

द्वितीय इकाई — स्फोट : पतंजलि, भर्तृहरि। स्फोटवाद के विरुद्ध तर्क।

तृतीय इकाई — वाक्यार्थज्ञान में हेतु : आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि, तात्पर्यज्ञान, वाक्यार्थ बोध : अन्विताभिधानवाद और अभिहितान्वयवाद।

चतुर्थ इकाई — लक्षणा : स्वरूप और भेद, व्यंजना : ध्वनि सिद्धान्त।

पंचम इकाई — मीमांसकों का भावना सिद्धान्त तथा वैयाकरणों द्वारा इसकी आलोचना, भाषा का तत्त्वमीमांसीय आधार, भर्तृहरि का शब्दब्रह्मवाद।

Paper – III: PHILOSOPHY OF LANGUAGE (Indian)

UNIT – I The Problem of meaning : Abhidhã, Kinds of word. Import of words : Ākritivãda – Vyaktivãda, Jãtivãda : Jãti ãkriti vyaktivãda, Jãti vishishta Vyaktivãda, Apohavãda, Shãbdabodha.

UNIT – II Sphota : Patanjali, Bhartrihari, arguments against sphota.

UNIT – III Conditions for knowing sentence-meaning: Ãkãnkshã, Yogyatã, Sannidhi, Tatparya, Comprehension of sentence meaning : Anvitãbhidhãnavãda, Abhihitãnvayavãda.

UNIT – IV Lakshaña : Nature and Classification. Vyanjanã : The theory of Dhvani

UNIT – V The Mïmansaka theory of Bhãvanã and its criticism by the Vaiyakarañas. The metaphysical basis of language: Bhartrihari's theory of shabdabrahmvãd.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. भाषा दर्शन – डॉ0 विजयपाल शास्त्री
2. The Philosophy of Words and meaning – Gairomatj Shastri
3- Shabda: A Study of Bhartriharis's Philosophy of Language – Tarntra Patnaik
4- The Philosophy of Language: An Indian Apporach – P.K.Majumdar
5. Sphotasiddhi – Madan Mishara
6. Shastradeepika – Partharthi Mishra
7. Vakyapadeeyam – Bhartrihare
8. Shlokavartika – Kumarilla Bhatta
9. Bhashaparichcheda – Vishwanath
10. Concept of Languae – Prof. U.S.Bist

Code MPI - 204 **एम0 ए0 दर्शनशास्त्र – द्वितीय सत्र** **समय : 3.00 घण्टे**

चतुर्थ पत्र — वेदान्त : शंकर और रामानुज **पूर्णांक : 70+30 = 100**

प्रथम इकाई — शंकरपूर्व वेदान्त : चेतना के चार चरण, अजातवाद, अस्पर्शयोग, सुषुप्ति और समाधि, जीव और ब्रह्म के भेद का खण्डन, अद्वैतवाद की सिद्धि में तर्क।

द्वितीय इकाई — शांकर वेदान्त : ब्रह्म : निर्गुण ब्रह्म, अध्यास, माया, अविद्या, सांख्यों के प्रकृति कारणवाद का खण्डन, ब्रह्म की अभिन्न निमित्तोपादानकता, कारणकार्य सिद्धान्त, विवर्तवाद, जीव का स्वरूप, जीवन्मुक्ति–विदेहमुक्ति, ज्ञानमार्ग।

तृतीय इकाई — शंकरोत्तर वेदान्त : माया और अविद्या की एकता, ईश्वर का स्वरूप, अवच्छेदवाद, आभासवाद, एकजीववाद, दृष्टिसृष्टिवाद, सृष्टिदृष्टिवाद, सत्तात्रय, ज्ञानसिद्धान्त : स्वतःप्रामाण्यवाद, प्रमाणमीमांसा, मिथ्यात्वविचार, अनिर्वचनीयख्याति।

चतुर्थ इकाई — रामानुज : सगुण ब्रह्म का प्रतिपादन, निर्गुण ब्रह्मवाद का खण्डन, ब्रह्म और विष्णु में तादात्म्य, माया की सप्तधा अनुपपत्ति, अपृथक्सिद्धि : जीव जगत् और ईश्वर की अपृथक्ता, तीन तत्त्व : चित्, अचित् और ईश्वर, सत्कार्यवाद : प्रकृति से जगत् की उत्पत्ति।

पंचम इकाई — जीव का स्वरूप : विशिष्टाद्वैत, जीव का परिमाण, ज्ञानसिद्धान्त : स्वतःप्रामाण्यवाद, प्रमाण, सत्ख्याति, मोक्ष का स्वरूप और प्राप्ति के उपाय : कर्म, भक्ति, ज्ञान, प्रपत्ति, जीवन्मुक्ति का खण्डन।

Paper – VIII : VEDANTA – SHANKARA AND RÃMÃNUJA

UNIT – I Advaita school before Shankar: Four states of consciousness, Theory of non-origination (Ajãtavãda), Asparshayoga, Sushupti and Samãdhi, Refutation of difference between Jiva and Brahman, Arguments for the establishment of Advaitavãda.

UNIT – II Shānkara Vedānta — Brahman : Nirguna Brahman, Adhyāsa, Māyā, vidyā, rejection of the unconscious. prakṛiti of Sānkhya as the source of the Universe, Chetana as the non different material and efficient cause (Abhinna nittopādāna), Theory of causation, Nature of the Jiva, Vivartavãda, Jeevanmukti, Videhamukti, Jnãna as the means to liberation.

UNIT – III Post Shankara Advaita : The identification of Avidya with Mãya, Nature of Ishwara, Avachchedavãda, Abhasavāda, Ekajeevavãda, Drishtisrishtivãda, Srishtidrishtivãda, Sattatraya, Advaita theory of knowledge : Svatahprãmãñyavãda, Pramãñas, Theory of Mithyatva, Anirvachniya khyãtivãda.

UNIT – IV Rãmãnuja : Affirmation of Saguña Brahman, Rejection of

Nirgunã Brahman, Identification of Brahman with Vishñu, Seven objections to the theory of Mãyã.
The Concept of Inseparable Relation (Aprithak siddhi) : Inseparableness of jiva material universe and God,
Three realities: Chit Achit and Ishwara,
Satkãryavãda : Material world as a product of Prakriti.

UNIT– V Concept of Jiva : Vishishtãdvaita, The size of jiva,
Theory of knowledge : Svatah prãmãñyavãda, Pramãñas, Satkhyãti, Nature of liberation, and means to it: Karma, Bhakti, Jnãna, Prapatti, Rejection of Jeevanmukti.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. यतीन्द्रमत दीपिका — श्रीनिवासाचार्य
2. श्रीभाष्य — रामानुज
3. Advait and Vishishtadvaita – S.M. Shrinivaschari
4. The Philosophy of Advaita – T.M.P. Mahadevan
5. Advaita Epistemology – P.K. Sundaram
6. Problems of Post Shankara Advaita Vedãnta – Jajunath Sinha
7. Vedãnta Paribhãsha – Dhramarajadhvareendra
8. Studies in Vedantism – K.C. Bhattacharya
9. Philosophy of Vishishtadvaita – P.N. Shrinivasachari
10. The Epistemology of Dvaita Vedanta – P. Nagarja Rao

Code MPI - 301 एम.ए. दर्शनशास्त्र – तृतीय सत्र समयः 3.00 घण्टे

प्रथम पत्र – आधुनिक भारतीय चिन्तन **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई – स्वामी विवेकानन्द : मानव, सार्वभौम धर्म, व्यावहारिक वेदान्त।

द्वितीय इकाई – श्री अरविन्द : सत्– सत् चित् आनन्द, विकासवाद,
सत् के तीन आयाम : मन, अतिमानस, पूर्ण योग।

तृतीय इकाई – रवीन्द्रनाथ टैगोर : मानव और ईश्वर, मानव धर्म।

चतुर्थ इकाई – महात्मा गाँधी : सत्य, अहिंसा, स्वराज, आधुनिक सभ्यता की आलोचना, सर्वोदय।

पंचम इकाई – डॉ॰ राधाकृष्णन : ईश्वर एवं परम तत्त्व, बुद्धि एवं सहज ज्ञान, जीवन का आदर्शवादी विचार।

Paper – I : MODERN INDIAN THOUGHT

UNIT – I Swami Vivekananda : Man, Universal Religion, Practical Vedānta.

UNIT – II Shri Aurobindo : Reality as Sat, Chit, Ananda.
Evolutions, Three phases of reality –Mind, Supermind, Integral Yoga.

UNIT – III Ravindra Nath Tagore : Man and God, Religion of man

UNIT – IV M.K. Gandhi : Truth, non-violence, Swaraja, Critique of modern civilization, Sarvodaya.

UNIT – V Dr. Radhakrishnan : God and the Absolute - Reality,
Intellect & Intuition, The idealistic view of life.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. समकालीन भारतीय दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना
2. आधुनिक चिन्तन में वेदान्त – महेन्द्र शेखावत
3. समकालीन भारतीय दर्शन – बी0के0लाल
4. Contemporary Indian Philosophy – Basant Kuar Lal
2. Contemporary Indian Philosophy – Benay Gopal Ray
3. Modern Indian Thought – V.S. Narrane
4. Practical Veanta – Swami Vivekananda
5. Integral Yoga – Shri Aurobindo
6. Hindi Swaraj – M.K. Gandhi
7. Gandhian Political Philosophy – Bhikhu Parekh

Code MPI - 302 एम.ए. दर्शनशास्त्र–तृतीय सत्र समयः 3.00 घण्टे

द्वितीय पत्र – फिनॉमिनॉलोजी और अस्तित्ववाद पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई – फिनॉमिनॉलोजी – एक वैचारिक क्रान्ति, अनुसन्धान की एक मौलिक विधि। पूर्व–मान्यता रहित दर्शन : एक कठिन विज्ञान।

द्वितीय इकाई – एडमन्ड हुसर्ल : हुसर्ल के चिन्तन का विकास, प्राकृतिक विश्व परिकल्पना, सार तथा आवश्यक सहज ज्ञान, फिनोमिनोलोजी की न्यूनता और उसके स्तर, शुद्ध चेतना और भावातीत आत्मनिष्ठता चेतना की इच्छानुरूपता।

तृतीय इकाई – हाइडेगर : सत्, डेसिन। मर्ल्यू पोन्टी : प्रत्यक्ष की फिनोमिनोलोजी।

चतुर्थ इकाई – अस्तित्ववाद : अस्तित्ववाद की प्रमुख विशेषताएँ और प्रकार, सामान्य भूमिका, अस्तित्ववादियों के मध्य में विचारभेद,
कुछ प्रमुख धारणाएँ : –अस्तित्व सार का पूर्वगामी है,
–संसार में मनुष्य का अस्तित्व
–शरीर में मनुष्य का अस्तित्व
–दूसरों के साथ मनुष्य का अस्तित्व
–अनुभूति में मनुष्य का अस्तित्व
–कर्म में मनुष्य का अस्तित्व

पंचम इकाई – स्वतन्त्रता, निर्णय और चुनाव, अस्तित्व की यथार्थता : मृत्यु, अनित्यता अस्तित्व : प्रामाणिक और अप्रामाणिक एक विवेचन।

Paper – II : PHENOMENOLOGY AND EXISTENTIALISM

UNIT – I Phenomenology : –A movement of thought, A redical method of investigation,
A presuppositionless philosophy: A regorous science.

UNIT – II Edmund Husserl : Development of his thought, The natural world thesis, Essence and essential intuition, Phenomenological reduction & its stage, Pure consciousness and transcendental subjectivity, Intentionality of consciousness.

UNIT – III Heideggar : Being, Dasein
Merleau Ponti : Phenomenology of perception.

UNIT – IV Existentialism : Its distinctive characteristics, Common

ground as well as diversity among existentialists.
Some recurring themes:–Existence preceding essence
–Man's being in the body
–Man's being with others
–Man's being in feeling
–Man's being in action.

UNIT – V Freedom, decision and choice. The facticity of existence : Death, Temporality. Existence: Authentic and non-authentic.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1- दर्शन के सौ वर्ष – जॉन पैसमोर
2- दार्शनिक विश्लेषण परिचय– जॉन हॉस्पर्स
3- समकालीन दर्श्नन – बी0के0लाल
4- समकालीन पाश्चात्य दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना
5- अस्तित्ववाद के प्रमुख विचारक – लक्ष्मी सक्सेना, सभाजीत मिश्र
6- The Fenomenological Movement – Herbert Spiegelberg
7- The Aims of Phenomenology – Marvin Farber
8- Existentialism From Dostoevsky to Sartre – Walter Kaufann
9- Six Existentialists Thinkers – H.J. Blackham

Code MPI - 303 एम.ए. दर्शनशास्त्र – तृतीय सत्र समयः 3.00 घण्टे
तृतीय पत्र – धर्मदर्शन (क) पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई – धर्म का स्वरूप,
धार्मिक बहुलवाद,
विज्ञान, दर्शन और धर्म।

द्वितीय इकाई – धर्म की उत्पत्ति के सिद्धान्त,
ईश्वर विचार का मूल स्रोत,
ईश्वर और ईश्वरों की अवधारणा,
भारतीय दर्शन में ईश्वर की अवधारणा।

तृतीय इकाई – धार्मिक अनुभूति और धार्मिक चेतना,
ईश्वर के अस्तित्व में तर्क,
ईश्वर सत्ता के विरोध में तर्क।

चतुर्थ इकाई – साक्ष्य मीमांसा, आधारवाद, बौद्धिक विश्वास,
ईश्वर की पारमार्थिकता, व्यापकता,
ईश्वर और परमतत्त्व – ईश्वरवाद, आस्तिकता,
तटस्थ ईश्वरवाद, ईश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद, निमित्तोपादानेश्वरवाद।

पंचम इकाई – ईश्वर, मनुष्य और जगत्।
ब्रह्म, ईश्वर, जीव, जगत्,
धर्मनिरपेक्षता।

Paper – III : PHILOSOPHY OF RELIGION (A)

UNIT – I Nature of religion, Religion pluralism.
Science, Philosophy and Religion.
Theories of the origin of religion.

UNIT – II Origin of the idea of God,
The idea of God and the idea of Gods,
Concept of God in Indian Philosophy.

UNIT – III Religious experience and religious consciousness.
Arguments for the existence of God.
Arguments against the existence of God.

UNIT – IV Evidentialism, Foundationalism, Rational belief,
Transcendence and Imminence.
God and the Absolute Reality.
Deism, Theism, Pantheism, Panentheism

UNIT – V God, Man and the World.
Brahma, Ishwara, Jiva, Jagat, Secularism.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी0वी0काणे
2. धर्म दर्शन की मूल समस्याएं – डॉ0 वी0पी0वर्मा
3. मनुस्मृति
4. तुलनात्मक धर्म दर्शन – प्रो0 श्रीप्रकाश दुबे, डॉ0 अविनाश श्रीवास्तव
5. धर्म का उद्‌भव और विकास – डब्ल्यू हॉपकिन्स

Code MPI - 304 एम0 ए0 दर्शनशास्त्र– तृतीय सत्र समयः 3.00 घण्टे

चतुर्थ पत्र – धर्म दर्शन (ख) **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाई – आत्मा की अवधारणा, मोक्ष और मानव नियति।
अशुभ की समस्या।

द्वितीय इकाई – संकल्प स्वातन्त्र्य,
कर्म और पुनर्जन्म, पुरुषार्थ।

तृतीय इकाई धर्मशास्त्र और प्रतीकवाद,
भक्ति, विश्वास, प्रार्थना, उपासना और चमत्कार।

चतुर्थ इकाई रहस्यवाद, अवतारवाद

पंचम इकाई अन्तर्धार्मिक संवाद, सार्वभौम धर्म की सम्भावना,
सत्यापन, मिथ्यापन और धर्म।

Paper – IV : PHILOSOPHY OF RELIGION (B)

UNIT – I Concept of soul, salvation and human destiny.
Problem of evil.

UNIT – II Freedom of the will, Karm and Rebirth
Purushãrthas.

UNIT – III Theology and symbolism.
Bhakti, Faith, Prayer, Worship, Miracle.

UNIT – IV Mysticism, Incarnation Avatara

UNIT– V Inter religious dialogue, The possibility of Universal Religion, Verification, Falsification and Religion.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी0वी0काणे
2. धर्म का उद्भव और विकास – डब्ल्यू हॉपकिन्स
3. तुलनात्मक धर्म दर्शन – प्रो0 श्रीप्रकाश दुबे, डॉ0 अविनाश श्रीवास्तव
4. धर्म दर्शन की मूल समस्याएं – डॉ0 वी0पी0वर्मा
5. धर्मसूत्रीय आचार व्यवस्था – नरेन्द्र कुमार

6- The Religious experience of Mankind – N. Smart
7- An Interpretation of Religion – J. Hick
8- Varieties of Religious Experience – W. James
9- New Essays in Philkosophical Tehology – Flew & Mclntyre
10- Philosophy of Devotion – J.C. Plot
11- A Modern Philosophy of Religion – A. Thompson
12- Secularism – M.M. Shankhadher

Code MPI - 401 **एम.ए. दर्शनशास्त्र चतुर्थ सत्र** **समय : 3.00 घण्टे**

प्रथम पत्र –भारतीय सौन्दर्यशास्त्र **पूर्णांक : 70+30 = 100**

प्रथम इकाई – साहित्य कला (काव्य),
विभिन्न कलाओं का परिचय जैसे – चित्रकला, संगीतकला, शिल्पकला, नृत्यकला, अभिनयकला, द्यूतकला आदि।

द्वितीय इकाई – काव्य लक्षण : काव्य की परिभाषा, काव्य के हेतु : प्रतिभा/व्युत्पत्ति/अभ्यास।
काव्य की रचना में उक्त हेतुओं की भूमिका, काव्य का प्रयोजन।

तृतीय इकाई – काव्य के भेद : दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य, दृश्यकाव्य के रचना प्रकार।

चतुर्थ इकाई – साहित्य शास्त्र की समीक्षा के विभिन्न सिद्धान्त :
रस सिद्धान्त (भरत), वक्रोक्ति सिद्धान्त या अलंकार सिद्धान्त (भामह),
रीति सिद्धान्त – छः काव्यगुण (दण्डी और वामन),
ध्वनि सिद्धान्त (आनन्द वर्धन), रस–ध्वनि सिद्धान्त (अभिनवगुप्त)।

पंचम इकाई – उत्तरवर्ती चिन्तकों के मिश्रित दृष्टिकोण :
मम्मट, विश्वनाथ, विद्याधर, जगन्नाथ और अप्पय दीक्षित

Paper– I : INDIAN AESTHETICS

UNIT – I Literary art (Kãvya), Vis-a-vis Other fine arts like - Painting, Music, Sculpture, Dancing, Acting, Gambling etc.

UNIT – II Definition of Poetry, Kãvya-Hetu : Pratibha, Vyutpatti, Abhyasa.Their distinctive role in poetic creation, Kavya-prayojana (necessity of use of poetry)

UNIT – III Varieties of Kãvya : Drishya Kãvya, Shravya Kãvya, Structural varieties of Drishya Kãvya

UNIT – IV Different schools of literary criticism: Rasa school (Bharat), Vakrokti school or Alankara school (Bhãmah), Reeti school or school of Gunas (Dandi and Vãmana), Dhwani school (Ananda Vardhana), Rasa Dhwani school (Abhinavagupta).

UNIT – V The Later syncretic views of Mammata, Vishvnãtha, Vidyadhara, Jagannatha, and Appaya Deekshita.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. काव्यप्रकाश – मम्मट
2. साहित्य दर्पण – विश्वनाथ
3. ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धन

4- History of Sanskrit poetics – P.V. Kane
5- History of Sanskrit poetics – S.K. De
6- Dhvanyãloka and its critics – K.Krishña murthy
7- Cdomparative Aesthetics – K.C. Pandey
8- The Philosophy of Aesthetic Pleasure – Panchapagesha Shastri
9- Some concepts of Alankars Shastra – V Raghavan
10- Sãhitya darpaña – Vishvanãh
11- Kavya prakasha – Mammata
12- Dhvanyaloka – Anandavardhana
13- Kavyadarsha – Dandi
14- Kuvalayananda – Appaya Dikshita

Code MPI - 402 **एम.ए. दर्शनशास्त्र चतुर्थ सत्र** **समय : 3.00 घण्टे**

द्वितीय पत्र – सांख्य–योग **पूर्णांक : 70+30 = 100**

प्रथम इकाई – त्रिविध दुःख, दुःखों की निवृत्ति में दृष्ट तथा अदृष्ट उपायों की अयोग्यता, प्रकृति–विकृति, मूलप्रकृति और उसका सूक्ष्म स्वरूप, मूलप्रकृति की सत्ता में प्रमाण, सत्कार्यवाद, व्यक्त अव्यक्त और पुरुष में वैधर्म्य, गुण और उनकी पृथक् पृथक् विशेषताएँ, उनका परस्पर विरोध और पूरकता।

द्वितीय इकाई – पुरुष : स्वरूप, उसकी सिद्धि और अनेकता में प्रमाण, पुरुष की सक्रियता एक आभास, प्रकृति की चेतनता एक आभास, पुरुष और प्रकृति के संयोग से 23 तत्त्वों की उत्पत्ति, पंच विपर्यय और उनके भेद : अष्ट सिद्धियाँ, प्रकृति–पुरुष के अभेद ज्ञान से दुःख की उत्पत्ति, विवेकख्याति का स्वरूप, बन्धन एवं मोक्ष प्रकृति का, पुरुष का नहीं, सांख्य में ईश्वर की सिद्धि–असिद्धि, सांख्य और योग में सम्बन्ध।

तृतीय इकाई – योग, चित्त वृत्ति, अभ्यास और वैराग्य, समाधि, समाधि के भेद, ईश्वरप्रणिधान, ईश्वर का स्वरूप, चित्तविक्षेप और उन पर विजय के उपाय, सबीज और निर्बीज समाधि।

चतुर्थ इकाई – पंच क्लेश : क्लेशों का स्वरूप, अज्ञान का मूल कारण : द्रष्टा और दृश्य का संयोग, अविद्या की निवृत्ति से कैवल्य।

पंचम इकाई – अष्टांग योग : प्रत्येक अंग का स्वरूप, संयम और संयमजन्य सिद्धियाँ, निर्माण चित्त का स्वरूप : कर्म के भेद और वासना, धर्ममेघ समाधि, कैवल्य का स्वरूप।

Paper – II : SANKHYA -YOGA

UNIT – I Three kinds of Duhkha, Duhkha cannot be removed by Any means except the knowledge of the Vyakta, Avyakta and Purusha. Prakriti and Vikriti. Moolaprakriti and its subtle nature, Proofs for the existence of Moolarakriti, Satkãryavãda. The distinction among Vyakta, Avyakta and Purusha. The Gunas and their distinctive characteristics, mutual opposition and complementariness.

UNIT – II Purusha : Nature, Proofs for existence as well as plurality, Appearance of activity in purusha and of consciousness in Prakriti, Systematic evolution of Twenty Three tattvas for prakriti. Five forms of error and their sub-

divisions: Eight siddhies, Pain is the result of non-discrimination between prakriti and purusha, Vivekakhyati, Bondage and liberation is really only for prakriti and not for purusha. The concept of God in Sāmkya system, The close link between Samkhya and Yoga system.

UNIT – III Yoga, Chittavrittis, their control through Abhyãsa and vairagya, two types of Samadhi and their characteristics, Ishwaraprañidhãna, nature of Ishwara, Chittavikshepas and the way of overcoming them, Sabeeja and Nirbeeja Samãdhi.

UNIT – IV Five clashes and their nature: Conjunction of Drashtã and Drishya as the root cause of ignorance, kaivalya results from removal of Avidya.

UNIT – V Eight limbs of yoga, characteristics of each limb, samyama and the resuslting consequences of eight siddhis. The nature of Nirmãña chitta, kinds of karmas and vãsnãs, Dharmamegha Samãdhi, nature of kaivalya.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. योगदर्शनम् — स्वामी सत्यपति परिव्राजक
2. Sãnkhyakarika of Ishwarakrishna – S.S. Suryanarayana Shastri
3. Vachaspati Mishra's Sãnkhyatattva Kaumudi – Ganganath Jha
4. Classical Sãnkhya : A cirtical study – Anima Sengupta
5. Patanjali's yogesutras – M.N. Dvivedi
6. The study of Patanjali – S.N. Dasgupta
7. The Synthesis of Yoga – Shri Aurobindo.

———

Code MPI - 403 **एम0ए0 दर्शनशास्त्र चतुर्थ सत्र** **समयः 3 घण्टे**

तृतीय पत्र – दयानन्द दर्शन **पूर्णांकः 70+30 = 100**

प्रथम इकाईः– स्वामी दयानन्द की जन्मजात दार्शनिकता, सुधार आन्दोलन – महात्मा बुद्ध, कुमारिल भट्ट, आचार्य शंकर, राम मोहन राय से तुलना।

द्वितीय इकाईः– आर्ष प्रामाण्यवाद, वेद, उपनिषद्, षडवैदिक दर्शन एवं पुराण सम्बंधी विचार।

तृतीय इकाईः– ज्ञान प्रक्रियाः ज्ञाता एवं ज्ञेय का स्वरूप, इन्द्रियों की भूमिका। ज्ञान एवं अज्ञान का स्वरूप, पांच परीक्षायें–आठ प्रमाण।

चतुर्थ इकाईः– त्रैतवाद : स्परूप एवं महत्व, ईश्वर जीवात्मा एवं प्रकृति का स्परूप तथा सम्बन्ध, ईश्वर की सिद्धि, सृष्टि प्रक्रिया। बहुदेववाद, अवतारवाद, जीव–ब्रह्म एक्यवाद एवं मायावाद का खण्डन।

पंचम इकाईः– पुरूषार्थ चतुष्टय, कर्मसिद्धान्त, वर्णाश्रमव्यवस्था, वैदिक शिक्षा दर्शन, बन्धन, मुक्ति, मुक्ति के साधन।

Paper III – Dayananda Darshan

Unit – I :- Swami Dayananda an innate philosopher, Reform Movement, Comparison to Buddha, Kumarila Bhatta, Acharya Shankara and Rammohan Roy.

Unit – II :- Arsha Pramanyavada, opinion of Veda, Upanishads, six schools of Vaidika philosophy and Puranas.

Unit – III :- Procedure of Knowledge, Nature of Knower and Known, Role of senses, Nature of Jñāna and Ajñāna, Five Kinds of examination, Eight Kinds of Pramana.

Unit – IV :- Theory of Traitavāda – Nature and importance, Ishwara, Jeevatma and prakriti – Nature and Correlation, Proofs for the existence of God, Procedure of World Creation, Pantheism, Avataravad, Refutation of Unity of Jeeva and Brahma and Mayavada.

Unit - V:- Purushartha chatushtaya, Theory of Karma, Varnashrama Vyavastha, Vaidika Philosophy of Education. Bondage and Liberation, Means of Liberation.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. सत्यार्थ प्रकाश – स्वामी दयानन्द सरस्वती
2. ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका – स्वामी दयानन्द सरस्वती
3. दयानन्द दर्शन – डॉ0 वेद प्रकाश गुप्त
4. सायण और दयानन्द के वेदभाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ0 विमला
5. कार्ल मार्क्स और ऋषि दयानन्द का समाज दर्शन –तुलनात्मक अध्ययन– डॉ0 सोहनपाल सिंहआर्य
6. वैदिक दर्शन – डॉ0 जयदेव वेदालंकार
7. ऋषि दयानन्द : सिद्धान्त और जीवन दर्शन – डॉ0 भवानीलाल भारतीय
8. दयानन्द संदर्भ कोष – डॉ0 ज्ञानप्रकाश शास्त्री
9. Indian Realism – P.K. Mukhopadhyaya

Code MPI - 404 एम0ए0 दर्शनशास्त्र चतुर्थ सत्र समयः 3.00 घण्टे

चतुर्थ पत्र . राजनीतिक एवं समाज दर्शन पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई . अवधारणा : न्याय, समानता, स्वायत्तता, स्वातन्त्र्य, अधिकार, प्रजातन्त्र, नागरिकता, प्रतिनिधित्व।

द्वितीय इकाई . राज्य, सभ्य समाज, राष्ट्र, वर्ग, शक्ति अधिकार, औचित्य, राजनीतिक बन्धन, सामाजिक–राजनैतिक परिवर्तन–खण्डन मण्डन, क्रान्ति, स्वराज, सत्याग्रह और अहिंसा।

तृतीय इकाई . दृष्टिकोण और विचारधारा : उदारवादी समाजवाद, फासिस्ट वैदिक समाजवादी, गाँधीवादी, सामाजिक न्याय।

चतुर्थ इकाई . मुद्दे और सरोकार (सम्बन्ध) : पहचान और मान्यता – सांस्कृतिक अधिकार, समूह अधिकार और मानव–महत्त्व।

पंचम इकाई . धर्मनिरपेक्षतावाद पर आधुनिक चिन्तन, तटस्थतावाद, सहिष्णुता, राजनीतिक स्थिरता और आतंकवाद।

अथवा

लघुशोध प्रबन्ध

Paper – IV : POLITICAL & SOCIAL PHILOSOPHY

UNIT – I Concept: Justice, Equality, Liberty, Autonomy, Rights, Democracy,Citizenship, Representation.

UNIT – II State, Civil society, Nation, Community, Power-Authority, Political Obligation, Social-Political: Negation embellishment, Revolution, Swaraja, Satyãgraha and Ahimsã.

UNIT – III Perspectives and ideologies: Liberal Socialist, Fascist, Vaidic Samajvadi, Gandhian, Social Justice.

UNIT – IV Issues and concerns : Identity and recognition, Cultural rights, Group rights, and Human dignity, Nationalism – Civic, Cultural and Ethnic.

UNIT– V Contemporary debate on secularism : Neutrality Toleration, Political stability and terrorism.

Or

Dissertation

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. समाज दार्शनिक परिशीलन – यशदेव शल्य
2. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक – डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद वर्मा
3. सामाजिक राजनीतिकदर्शन की रूपरेखा – राममूर्ति पाठक
4. कार्ल मार्क्स और ऋषि दयानन्द का समाज दर्शन – डॉ0 सोहनपाल सिंह आर्य
5. गाँधी दर्शन मीमांसा – डॉ0 रामजी सिंह
6. Social Justice in the Liberal State – Ackerman Bruce A
7. Secularism and its critics – Rajeeva Bhargava
8. Revolution – Krishna Kumar
9. Secularism and Development – P.C. Joshi

Code PPI – 101 SYLLABUS FOR COURSE WORK

PAPER – I RESEARCH METHODOLGY - A

SUBJECT: PHILOSOPHY दर्शनशास्त्र

MARKS:

100

TIME: 3 Hr

इकाई – 1	**Unit – 1**
शोध	**RESEARCH**
1. दर्शन का अर्थ, परिभाषा	i. Meaning & Definition of Philosophy
2. शोध का अर्थ, परिभाषा	ii. Meaning & Definition of Research
3. शोध का स्वरूप	iii. Nature of Research
4. शोध की आवश्यक्ता	iV. Necessity of Research
इकाई – 2	Unit – 2
शोध की औपचारिक प्रक्रियायें	RESEARCH RELATED FORMALITIES
1. शोधक, शोध निर्देशक तथा शोध–विषय–चयन	I. RESEARCHER, RESEARCH GUIDE, SELLECTION OF RESEARCH TOPIC
2. शोध प्रस्ताव एवं शोध प्रस्ताव का महत्त्व	ii. Research proposal & it's Importance
3. रूपरेखा निर्माण (अर्थ एवं परिभाषा)	iii. Preparing Synopsis (Meaning & Definition)
4. रूपरेखा के निर्धारक तत्त्व	iv. Basic Elements of Synopsis
इकाई – 3	Unit – 3
ज्ञान मीमांसा	Epistemology
1. ज्ञानः अर्थ एवं प्रकार (न्याय दर्शनानुसार)	i. Knowledge: Meaning & Kinds (According to Nyaya)
2. ज्ञान के साधन (गौतमीय न्याय दर्शनानुसार)	ii. Sources of Knowledge (According to Gautam's Nyaya Philosophy)
3. प्रत्यक्ष	iii. Perception
4. अनुमान	iv. Inference
5. उपमान	v. Upamān Comparison
6. शब्द	vi. Śabda Verbal Testimony
इकाई – 4	Unit – 4
अनुसंधान की प्रमुख विधियाँ	Main Methods of Research
1. समीक्षात्मक पद्धति	i. Critical Method
2. ऐतिहासिक पद्धति	ii. Historical Method
इकाई – 5	
1. वर्णनात्मक पद्धति	iii. Descriptive Method
2. तुलनात्मक पद्धति	iv. Comparative Method

Code PPI – 102

RESEARCH METHODOLOGY – PAPER – B

PHILOSOPHY – दर्शनशास्त्र

MARKS: 100

TIME: 3 Hr

इकाई – 1	Unit – 1
शोध के उपकरण	Tools of Research
1- भारतीय तर्कशास्त्रः परिभाषा, स्वभाव	i. Indian Logic: Definition, Nature
2- पंचावयव	ii. Syllogism
3- आगमन	iii. Induction
4- निगमन	iv. Deduction
इकाई – 2	Unit – 2
सांख्यिकी	Statistics
1- अर्थ एवं परिभाषा	i. Meaning & Definition
2- तथ्यों का संकलन	ii. Data Collection
3- वर्गीकरण	iii. Classification
4- सारणीयन	iv. Talulation
इकाई – 3	Unit – 3
1- सामग्री संकलन	i. Collection of Material
2- सामग्री संकलन के साधन	ii. Sources of Material Collection
3- सामग्री की प्रामाणिकता	iii. Authenticity of Collected Material
4- प्रामाणिकता के स्रोत	iv. Sources of Authenticity
इकाई – 4	Unit – 4
1- दस्तावेजीकरण	i. Documentation
2- डाइलैक्टीकल चिह्न	ii. Dialectical Marks
3- सन्दर्भ एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची Bibliography	iii. Reference and Reference Books/
4- निष्कर्ष/लेखन	iv. Writing Conclusion
इकाई – 5	Unit – 5
1. पुस्तक समीक्षा	i. Book Review
2. निबन्ध लेखन की प्रमुख विशेषतायें Writhing	ii. Main Characteristics of Essay

दर्शनशास्त्र विभाग
पी0एच0–डी0 प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
SYLLABUS FOR RESEARCH ENTRANCE TEST

इकाई – 1
अवैदिक दर्शन

चार्वाक – भौतिकवाद, प्रत्यक्ष सिद्धान्त, अनुमान का खण्डन, चार पदार्थ;
जैन – स्याद्वाद, सप्तभंगीनय, अनेकान्तवाद, द्रव्यः अस्तिकाय, अनस्तिकाय, जीव अजीव, त्रिरत्न।
बौद्ध – प्रत्यक्ष, अनुमान, प्रमाण–व्यवस्था, प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, क्षणिकवाद, शून्यवाद, त्रिरत्न (शील, समाधि, प्रज्ञा), निर्वाण।

Unit – 1
AVEDIC PHILOSOPHY

Charvak – Materialism, Theory of Perception, Refutation of Inference, Four Categories.
Jain – Theory of Syādvāda, Saptabhangi Naya, Anekāntavāda, Substance : Astikāya, Anastikāya, Jiva, Ajiva, Tri-Ratna.
Buddhist – Perception, Inference, Pramāṇ-vyavastha, Dependent origination, No-soul-Theory, Momentariness, Sūṇyvād, Tri-Ratna (Sheel, Samādhi, Prajñā), Nirvān.

इकाई – 2
न्याय – वैशेषिक दर्शन

ज्ञान, ज्ञान के स्रोत, परतः प्रामाण्य, वस्तुवाद, प्रमाण–सम्प्लव, कार्य–कारण सिद्धान्त, ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण, न्याय–पदार्थ, वैशेषिक पदार्थ, परमाणु–सिद्धान्त, बन्धन, मोक्ष।

Unit – II
NYAYA – VAISHESHIKA

Knowledge: Source of Knowledge, Parath – Prāmānya, Realism Pramāṇ-samplava, Theory of Causation, Proofs for the existence of God, Nyāya's Categories, Vaisheshika's-Categories, Theory of Atoms, Bondage, Liberation.

इकाई – 3
सांख्य – योग

पुरूष एवं प्रकृति, अस्तित्व के प्रमाण, पुरूषप्रकृतिसम्बन्ध, सृष्टिक्रम, पुरूष का बहुत्व, ज्ञान का स्वतः प्रामाण्य; योग की परिभाषा, योग की विषयवस्तु, चित्त, चित्त की भूमियाँ, योग के आठ अंग, ईश्वर।

Unit – III
SANKHYA – YOGA

Purusha and Prakriti, Proofs for their existence, Three – Guṇas, Their relation, Evolution of the world, Plurality of the Purusha, Satkāryavāda, Svatah-prāmānya.

The subject Matter of Yoga: Definition of Yoga, Chitta, it's stages and vritties, Eight limbs of Yoga, God.

इकाई – 4
पूर्व – मीमांसा–वेदान्त

शब्द, शब्दबोध, शब्द–प्रकृति, शब्द शक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), संकेतग्रह (व्यक्तिवाद, जातिवाद, आकृति, व्यक्ति–जाति–आकृति), स्फोट–सिद्धान्त।

आत्मा, ज्ञान का स्वभाव, धर्म तथा धर्म–लक्षण, भावना।

ब्रह्म, ईश्वर, जीव, जगत्, माया, अविद्या, अभ्यास, विवर्तवाद, ज्ञान, कर्म, उपासना, अद्वैत, विशिष्टाद्वैत, शरणागति।

Unit – IV
PURVA-MIMANSA-VEDANTA

Shabdabodha, Theories of Meaning, Nature of Shabda, Shabda-Shakti (Abidha, Laksana, Vyanjana,), Referent of a word (Vyaktivāda, Jātivāda, Ākritivāda, Vyakri-jāti-ākritivāda), The Theory of Sphota.

The soul, the nature of knowledge, Dharma and it's Characteristics, Bhāvanā, Brahma, Ishwar, Jiva, Jagat, Māyā, Adhyāsa, Vivartavād, Jñāna, karma, upāsanā, Advaita, Vishishtadvaita, Sharnāgati.

इकाई – 5
तर्कशास्त्र

तर्कशास्त्र की परिभाषा, तर्कशास्त्र का क्षेत्र, आगमन, निगमन, तार्किक प्रतीक, सत्य–सारणियाँ, तादात्म्य का नियम, व्याघात नियम, मध्य परिहार का नियम, कान्ट्रेरी तथा सब–कान्ट्रेरी प्रतिज्ञप्तियाँ, व्याप्ति, पंचावयव, हेत्वाभास।

Unit- V
LOGIC

Definition of Logic, Scope of Logic, Induction, Deduction, Law of Identity, Law of Contradiction, Law of excluded, middle, syllogism, (Panchavayava) Logical Symbols, Truth – Tables, Yyāpti, Hetvābhāsa, (Fallacies of inference), Contrary propositions, sub-contrary proposition.

इकाई – 6
भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र

नीतिशास्त्र का स्वभाव तथा क्षेत्र, शुभ–अशुभ, पुरूषार्थ–चतुष्टय, वर्णाश्रम धर्म, प्रवृत्ति एवं निवृत्ति मार्ग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्म–योग; चार आर्य सत्य, त्रि–रत्न, अहिंसा, सत्य, सत्याग्रह।

पाश्चात्य नीतिशास्त्र का स्वभाव, क्षेत्र, नैतिक–निर्णय, सुखवाद, उपयोगितावाद, शुभ और अशुभ की परिभाषा, प्राकृतिक हेत्वाभास, संकल्प की स्वतंत्रता, कैटेगरीकल इम्परेटिव, दण्ड के सिद्धान्त, नैतिकता, उचित–अनुचित, कर्मकाण्ड प्रदत्त नैतिक–सूत्र।

Unit – VI
INDIAN AND WESTERN ETHICS

Nature and scope of Indian Ethics, Shubha, Ashubha, Purusārtha-Chatushtaya, Varṇashramdharmas, Sthitaprajñata, The ways of Pravitti and Nivritti, Jñāna, Bhakti and Karma Yoga in Gita, Four noble truths, Jainas; Tri-Ratna.

Nature and Scope of Western Ethics, Moral Judgment, Hedonism, Utalitarianism, Good and it's definition, Naturalistic Fallacy, Freedom of will, Theories of Punishment, Morality, Right & Wrong, Maxims of Morality (Kant).

इकाई – 7
यूनानी एवं आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

मौलिक समस्यायें : सुकरात एवं उनकी पद्धति, प्लेटो तथा उनका ज्ञान–सिद्धान्त, अरस्तु एवं उनका ज्ञान–सिद्धान्त, अगस्टाइन का ज्ञान–सिद्धान्त।

बुद्धिवाद : देकार्त्त, स्पिनोजा, लाइबनित्स;
अनुभववाद : लॉक, बर्कले, ह्यूम;
समीक्षावाद : काण्ट।
निरपेक्षप्रत्ययवाद : हीगेल

Unit – VII
GREEK & MODERN WESTERN PHILOSOPHY
(fundamental problems)

Socrates and his method, Plato and his theory of knowledge, Aristotle and his Metaphysics, Augustine's theory of knowledge.

Rationalism : Descartes, Spinoza, Leibnitz.
Empiricism : Locke, Berkeley, Hume.
Critical Philosophy: Immanuel Kant.
Absolutism : Hegel

इकाई – 8
समकालीन पाश्चात्य दर्शन

हुसरल का आभास (फिनामिनोलोजिकल) सिद्धान्त : अनुभवातीत आत्मा, अस्तित्ववाद : क्रिकेगार्ड, हाईडेगर, सार्त्र जास्पर्स। ब्रैडले का आभास एवं सत् : सत् के सिद्धान्त। अर्थक्रियावाद : विलियम जेम्स, पियर्स, तार्किक भाववाद।

Unit – VIII
CONTEMPORRY WESTERN PHILOSOPY

Husserl's Phenomenological Method, Transcendental Soul, Existentialism : Kiekegaard, Nietzsche, Heidegger, Sartre, Jasspers, Bradley's, Appearance and Reality, Theories of truth, Pragmatism : William James, Peirce, Logical Positivism; Language-game of Wittgenstein.

इकाई – 9
समकालीन भारतीय दर्शन

स्वामी दयानन्द–दर्शन : वैदिक–दर्शन, ज्ञानमीमांसा, ईश्वर, जीव, प्रकृति, मायावाद का खण्डन, श्री अरविन्द का अतिमानस विचार, पुनर्जन्म परमतत्त्व एवं दिव्य आत्मा। स्वामी विवेकानन्द का व्यावहारिक वेदान्त, रवीन्द्रनाथ टैगोर का ईश्वर एवं धार्मिक अनुभूति, महात्मा गांधी – सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, साध्य–साधन–सिद्धान्त, रामराज्य।

Unit – IX
CONTEMPORARY INDIAN PHILOSOPHY

Philosophy of Swami Dayananda : Vaidik Philosophy, Epistemology, Ishwar, Jiva and Prakriti, Refutation of Māyāvada, Aurobindo's concept of Atimānasa, Rebirth, Superme Reality, Divine Soul, The practical Vedānta of Sri Vivekananda, The Concept of Ishwar, Religious Experience of Rabindranath, Mahatma Gandhi's Theory of Truth, Áhinsā, Rāmarājya, End and Means, Satyāgraha.

इकाई – 10
सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन

व्यक्ति, परिवार, समाज, राज्य, राष्ट्र, अधिकार एवं कर्त्तव्य, स्वतन्त्रता, समानता, न्याय, लोकतंत्र, निरंकुशता, साम्यवाद, वैश्वीकरण, वैदिक समाजवाद, मृत्यु–दण्ड, मृत्यु का अधिकार, लिंग–असमानता।

Unit – 10
SOCIAL & POLITICAL PHILOSOPHY

Individual, Family, Society, State, Nation, Rights and Duties, Democracy, Freedom, Equality, Justice, Dictatorship, Communism, Globalization, Vaidika Socialism, Punishment of Death, Right to die, Feticide.

या

इकाई – 10
अनुसंधान विधि

प्रायोगिक विधि, मिल की अनुसंधान पद्धति, अन्वय–विधि, व्यतिरेक विधि, अवशेष विधि, सहचार विधि, विश्लेषणात्मक विधि/ऐतिहासिक विधि, अनुसंधान विधियों का पारस्परिक सम्बन्ध।

OR

Unit – 10
RESEARCH METHODOLOGY

1- Experimental Method : (Research Method of Mill)
2- Anvaya – Vidhi, VYatirek – Vidhi, Anvaya-Vyatirek– Vidhi
3- Method of Residue.
4- Method of Concommitent Variations.
5- Analytical Method,
6- Critical Method,
7- Historical Method,
8- Mutual Relationship among research Methods.

REFERNCE BOOKS
PRIMARY & SECONDARY SOURCES

1- Sarvadarshansamgraha – Madhavacharya
2- Nyayamanjari – Jayanta Bhatt.
3- Navya-nyaya System of Logic – D.C.Guha.
4- Theory of Knowledge – R.M.Chisholm.
5- Knowledge And Belief : Ed.A.Phillips Griffiths.
6- Theory of Truth : Woozley.
7- A History of Philosophy : Frank Thilly
8- An Introduction to Philosophy Analysis : John Hospers.
9- Nyaya Theory of Knowledge – S.C.Chatterjee
10- Ligic : N.Smith
11- Principia Ethica – G.E. Moore
12- Symbolic Logic – Bason O' Conner
13- Buddhist Logic – Stcherbatakey
14- Syadvadmanjari – Mallishen Suri
15- Arthasamgraha – Laugakshi Bhaskar

16- Contemporary Western Philosophy – B.K.Lal
17- Philosophy of Word and its meaning – G.N.Shastri
18- Dout Belif and Knowledge – S. Bhattacharya
19- Brahmasutra Chatuhsutri – Shankara Bhashya
20- Dayananda Darshana – Vedaprakasha Gupta
21- भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
22- भारतीय दर्शन की रूपरेखा – हिरियाना
23- भारतीय दर्शन – राधाकृष्णन
24- प्रमाण तत्त्व –लोकालंकार – वादिदेव सूरि
25- धर्म का उद्‌भव एवं विकास – टी0आर0शर्मा
26- नीतिशास्त्र सिद्धान्त के पांच प्रकार – सी0डी0ब्रॉड
27- नीतिदर्शन – वी0पी0वर्मा
28- पाश्चात्य आगमन तर्कशास्त्र – मसीह एवं झा
29- प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र – केदारनाथ तिवारी
30- समकालीन पाश्चात्य दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना
31- समकालीन पाश्चात्य दर्शन – बी0के0लाल
32- सत्यार्थ प्रकाश – स्वामी दयानन्द
33- अरविन्द दर्शन – रामनाथ शर्मा
34- नीतिशास्त्र की भूमिका – लक्ष्मी सक्सेना
35- पाश्चात्य नीतिशास्त्र – एच0एन0मिश्रा
36- सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण
37- पातंजलयो प्रदीप – स्वात्माराम
38- वेदान्तसार – सदानन्द
39- विवके चूडामणि – शंकर

विभागाध्यक्ष
दर्शनशास्त्र विभाग